सूर्यास्त 05.12 | न्यूनतम 15.0' | ₹ 62,710 | ₹ 78,500

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 11 कानपुर, **मंगलवार 09 जुलाई 2024** नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

उत्साहित था।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेतों का दौरा कर दिए तकनीकी टिप्स

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई। प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर उन्हें वैज्ञानिकों ने सलाह दी की धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। जिससे खैरा रोग होता है। इसकी पूर्ति हेतु धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करें। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को सलाह दी है कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान सबसे अधिक पौधों को पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें। किसानों को सलाह देते हुए वैज्ञानिकों ने बताया कि पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खादें या एंजाइम्स डालना चाहिए। इससे पौधों की जड़ें मजबूत होती हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता होती है। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी तथा प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अंक-129 कानपुर, मंगलवार 9 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

नपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेतों का किया दौरा कर दिए तकनीकी टिप्स

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई। प्रगतिशील कृषक श्री सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर उन्हें वैज्ञानिकों ने सलाह दी की धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। जिससे खैरा रोग होता है। इसकी पूर्ति हेतु धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करें। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को सलाह दी है कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान सबसे अधिक पौधों को पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें। किसानों को सलाह देते हुए वैज्ञानिकों ने बताया कि पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खादें या एंजाइम्स डालना चाहिए। इससे पौधों की जड़ें मजबूत होती हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता होती है। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी तथा प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

महानगर
09/07/2024
आज

सम्मानित

करने को कहा

को अयोध्या मंदिर
ा वाला चांदी का
प्रदान किया।
ी ने बातचीत के
कुलदीप यादव के
म सिंह यादव ने
क गांवों में प्रतिभा
पर संसाधन कम
से वह निखर नहीं
तो मुख्यमंत्री बोले
वों की छिपी हुई
गों को कबड्डी समेत
खेलों के माध्यम से
दिया जा रहा है।
ों को निखारने के
धिक प्रयास किए
कोच कपिल पाण्डेय
कप के फाइनल मैच
ने के सवाल पर
नांचक था, उन प्रेशर
सी को भी विचलित
नहीं सिर्फ खेल का
भी कहा कि हार व
र्फ अपने काम पर
निकलेगा।

कृषि वैज्ञानिकों ने खेतों का किया दौरा

कानपुर, 8 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई। प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर उन्हें वैज्ञानिकों ने सलाह दी। धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। जिससे खैरा रोग होता है। इसकी पूर्ति हेतु धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करें। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को सलाह दी है कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान सबसे अधिक पौधों को पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें। किसानों को सलाह देते हुए वैज्ञानिकों ने बताया कि पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खादें या एंजाइम्स डालना चाहिए।

देश में

भ्रामक

कानपुर, 8 जुलाई। एक राष्ट्र
भाव की नीति को लागू कर स्व
को मानकीकृत किया जाये।
पूरे देश में स्वर्ण की एक
कीमत सुनिश्चित हो। अ
व्यवहार और भ्रामक विज्ञाप
रोकने के लिए न्यूनतम मेकिंग
प्रकाशित किया जाये और
सख्ती से पालन हो। यह मांगे जी
स्थित ऑल इंडिया ज्वैलर्स
गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजे
के एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मे
राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोरा रखी
कहा कि ज्वैलर्स को केवल ि
भुगतान के माध्यम से ही पुरान
खरीदने के लिए दिशा-निर्देश
किये जायें जिससे पारदर्शिता अ
लगाने की क्षमता सुनिश्चित हो
से आये एआईजेजीएफ के
महासचिव नितिन केडिया ने क
तस्करी और अवैध स्वर्ण व्या
कमी लाने के लिये ठोस कदम

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

जब तक मैं सीएम हूं, किसी को छूट नहीं... 12 | कनवारा बैराज से 4.25 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्ष: 15 | अंक: 265 | मूल्य: 3.00/- | पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | मंगलवार | 09 जुलाई, 2024

कृषकों को बताई धान उन्नत खेती की तकनीकी विधियां

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में सोमवार को कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई। वैज्ञानिकों ने प्रगतिशील किसान सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर कहा कि धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिससे खैरा रोग होता है। इसकी पूर्ति के लिये उन्होंने धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करने की सलाह दी। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कहा कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान पौधों को सबसे अधिक पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें। इस अवसर पर वैज्ञानिकों ने किसानों को पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खादें या एंजाइम्स डालने की बात कही ।इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह,गृह वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी तथा प्रगतिशील किसान सुंदर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल में रा[...] वरिष्ठ उपाध्यक्ष प[...]

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

सोमवार को कानपुर उद्योग व्यापार मंडल कंछल गुट के तत्वावधान में विजय कॉन्टिनेंटल में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह व मनोनयन पत्र वितरण का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अपने अपने पद की शपथ दिलाई व सांसद द्वारा सभी पदाधिकरियों को मनोनयन पत्र वितरण किए गए। इस मौके पर पदाधिकारियों ने व्यापारियों वा

केस्को की जनसुनवाई में उपभ[...] हुआ समाधान

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। सोमवार
केस्को के वित्तीय वर्ष 2024-25 के
वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिये वार्षिक
तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 के टू-अप
सुनवाई अरविन्द कुमार, अध्यक्ष उ0प्र0
आयोग द्वारा द स्पोर्ट हब पालिका स्टेडि
आयोजित की गयी। इस जन-सुनवाई
400 से 500 विद्युत उपभोक्ताओं एवं उ
मण्डल के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग कि
सुनवाई में सैमुअल पॉल एन. प्रबन्ध नि
में हो रहे कार्यों का विवरण, 24×7 घ
किये जा रहे प्रयासों के साथ-साथ उप
निस्तारण करने तथा केस्को के की पर
तकनीकी आकड़ों) का प्रस्तुतिकरण वि
की विविध प्रकार की विद्युत शिकायतों
केस्को के सम्बन्धित अधिकारियों को

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज़

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 317 | कानपुर, मंगलवार 9 जुलाई 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेतों का दौरा कर दिए तकनीकी टिप्स

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर उन्हें वैज्ञानिकों ने सलाह दी की धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिससे खैरा रोग होता है इसकी पूर्ति हेतु धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करें मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को सलाह दी है कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान सबसे अधिक पौधों को पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20

किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें किसानों को सलाह देते हुए वैज्ञानिकों ने बताया कि पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खादें या एंजाइम्स डालना चाहिए इससे पौधों की जड़ें मजबूत होती हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता होती है इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी तथा प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • मंगलवार • 9 जुलाई • 2024

र्सरी का निरीक्षण कर ज्ञानिकों ने दी सलाह

ुर (एसएनबी)। चन्द्रशेखर आजाद ंव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर पए) के अधीन संचालित कृषि विज्ञान दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय सिंह के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों की ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी ां वताईं।

गतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान के ं खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन न्हें वैज्ञानिकों ने सलाह दी कि धान की में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक की कमी हो जाती है, जिससे खैरा रोग ै। इसकी पूर्ति के लिए धान की रोपाई

मय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक ट का प्रयोग करें। मृदा वैज्ञानिक खलील खान ने कृषकों को सलाह दी धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के सवसे अधिक पौधों को पोषण की ्यकता होती है। इस समय 20 ग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें। किसानों लाह देते हुए वैज्ञानिकों ने वताया कि की अच्छी वृद्धि के लिए समयसमय वेक खादें या एंजाइम्स डालना चाहिएं। पौधों की जड़ें मजवूत होती हैं और ियों से लड़ने की क्षमता वढ़ती है। इस र पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा थी समेत कई लोग उपस्थित रहे।

परिजन
करने

क

जवाहर
करते

कान
भदौरि
एकत्र
वावू
को
अर्पित
उनके
पृ
वताया
नेतृत्व

सत्य का असर समाचार पत्र

09,07,2024 jksingh hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

22-02-2022, मुंबई , महाराष्ट्र

कानपुर **वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल**

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेतों का किया दौरा कर दिए तकनीकी टिप्स

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल
सत्य का असर समाचार पत्र

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई। प्रगतिशील कृषक श्री सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर उन्हें वैज्ञानिकों ने सलाह दी की धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। जिससे खैरा रोग होता है। इसकी पूर्ति हेतु धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करें। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को सलाह दी है कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान सबसे अधिक पौधों को पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें। किसानों को सलाह देते हुए वैज्ञानिकों ने बताया कि पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खादें या एंजाइम्स डालना चाहिए। इससे पौधों की जड़ें मजबूत होती हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता होती है। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी तथा प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

फार्म ... पत्र और 10
हजार ...

हिंदुस्तान 09/07/2024

वैज्ञानिकों ने फसलों के रोग के निदान बताए

कानपुर। सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह के अगुवाई में कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने कुंदनपुर गांव का दौरा किया। उन्होंने किसानों को धान की उन्नत खेती की विधियां बताई। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कहा कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान सबसे अधिक पौधों को पोषण की आवश्यकता होती है। इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें।

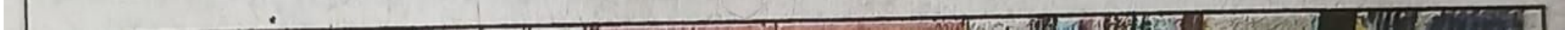

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेतों का दौरा कर दिए तकनीकी टिप्स

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई। प्रगतिशील कृषक श्री सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर उन्हें वैज्ञानिकों ने सलाह दी की धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। जिससे खैरा रोग होता है। इसकी पूर्ति हेतु धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करें। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को सलाह दी है कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान सबसे अधिक पौधों को पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें। किसानों को सलाह देते हुए वैज्ञानिकों ने बताया कि पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खादें या एंजाइम्स डालना चाहिए। इससे पौधों की जड़ें मजबूत होती हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता होती है। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी तथा प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अमर भारती
एक उम्मीद
RNI No. UPHIN/2011/46455
www.amarbharti.com
मंगलवार, 09 जुलाई 2024

रण वित

हा डम्फर फस
व दूसरी ओर
की कतारे लग
लिस ने जे सी
पीछे से धक्का
ड चालू कराया
गुजरने वाले
श्कल होने के
न रेंगते रहे।
कोई जिम्मेदार
कारण स्थाई
सका।
ारी निरीक्षक
ाया कि गड्ढों में
कार्यदाई संस्था
ी गई है संस्था
या जाएगा

कृषि वैज्ञानिकों ने खेतों का दौरा कर दिए तकनीकी टिप्स

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई। प्रगतिशील कृषक सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर उन्हें वैज्ञानिकों ने सलाह दी की धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। जिससे खैरा रोग होता है। इसकी पूर्ति हेतु धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करें। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को सलाह दी है कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान सबसे अधिक पौधों को पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें।